हादसा

रेत खदान के पास दर्दनाक हादसा, पुलिस ने डंपर किया जब्त

डंपर की चपेट में आए 19 वर्षीय हेल्पर की मौत

नैनपुर, नवभारत। जिले के बम्हनी बंजर थाना क्षेत्र अंतर्गत बरबसपुर रेत खदान के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा घटित हुआ। इस दुर्घटना में एक 19 वर्षीय युवक की डंपर की चपेट में आने से असामयिक मृत्यु हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक की पहचान देव शाह मरकाम (19 वर्ष), निवासी धनौरा (जिला सिवनी) के रूप में हुई है।

जानकारी अनुसार मृतक देव शाह मरकाम बरबसपुर स्थित रेत खदान में मशीन हेल्पर के पद पर कार्यरत था। शनिवार को अपनी ड्यूटी समाप्त कर जब वह वापस लौट रहा था, इसी दौरान खदान क्षेत्र में ही एक अनियंत्रित डंपर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

हादसे के तुरंत बाद वहां मौजूद अन्य श्रमिकों और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को बम्हनी स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया। हालांकि वहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अत्यधिक चोट लगने के कारण अस्पताल पहुँचने से पूर्व ही युवक की मृत्यु हो चुकी थी।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

घटना की सूचना मिलते ही बम्हनी बंजर थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँची। थाना प्रभारी अरुण प्रताप भदौरिया ने बताया कि दुर्घटना कारित करने वाले डंपर को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। डंपर चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।

डंपर ने खड़े ऑटो को मारी टक्कर, 11 यात्री घायल, 5 की हालत नाजुक, पुलिस ने किया मामला दर्ज

भुआबिछिया। जिले के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत दानीटोला-बिछिया मार्ग पर शनिवार को एक सड़क दुर्घटना घटित हुई। सड़क किनारे खड़े एक सवारी ऑटो को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण भिड़ंत में ऑटो में सवार 11 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 5 की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सभी घायल ग्राम भोंदा के निवासी बताए जा रहे हैं।

जानकारी अनुसार ऑटो चालक ग्राम भोंदा से सवारियां लेकर बिछिया की ओर आ रहा था। दानीटोला के पास किसी कारणवश ऑटो सड़क किनारे खड़ा था, इसी दौरान पीछे से आ रहे अनियंत्रित डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और बिछिया पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया। घायलों में सुखियारो साहू (47), शकुन बाई (45), देवसिंह मरकाम (55), सुखलाल (70), रामवती मरकाम (45), फगिया बाई (30), प्रेमवती (30), अनिता पूशाम (12), रामप्यारी पूशाम (30), कौशल्या तेकाम (44) और सविता (55) शामिल है। चिकित्सकों ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल 5 मरीजों की स्थिति पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया जा सकता है।

बिछिया पुलिस ने दुर्घटना कारित करने वाले डंपर को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या डंपर की रफ्तार निर्धारित सीमा से अधिक थी।

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी सामान की जब्ती

घुघरी शांति समिति की बैठक में एसडीएम ने दिए सख्त निर्देश

घुघरी। आगामी होली पर्व को हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आज थाना घुघरी प्रांगण में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवागत अनुविभागीय अधिकारी सचिन जैन ने स्पष्ट किया कि प्रशासन त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं करेगा।

एसडीएम सचिन जैन ने ग्रामीणों और समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि होली रंगों का और आपसी प्रेम का त्योहार है। उन्होंने अपील की कि होली का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं। किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती रंग न लगाएं, त्योहार में आपसी सहमति का सम्मान करें।

बाजार व्यवस्था और अतिक्रमण पर कड़ा रुख

बाजार में बढ़ते अतिक्रमण और अव्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने सख्त लहजा अपनाया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि बाजार में चूने से मार्किंग की जाएगी। सभी दुकानदारों को अपनी दुकान उसी सीमित जगह में लगानी होगी। उन्होंने दुकानों के बाहर अवैध रूप से निकाले गए शेड को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई दुकानदार नियमों का पालन नहीं करता है या मार्किंग के बाहर सामान फैलाता है, तो प्रशासन द्वारा सामान की जब्ती की जाएगी।

ये रहे उपस्थित

बैठक के दौरान थाना प्रभारी पूजा बघेल, नायब तहसीलदार अभिजीत सिंह, राजस्व निरीक्षक बलराम भगत, पटवारी आशीष रंगारी के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि के रूप में सरपंच यशोदा मरावी, उपसरपंच दुर्गेश चौकसे, ग्राम के वरिष्ठ नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

1.43 करोड़ का ऋण घोटाला बैंक में गिरवी भवन का हिस्सा बेचा

जबलपुर ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

नवभारत, जबलपुर। 1 करोड़ 43 लाख रूपये का ऋण लेने खोवा मण्डी स्थित केनरा बैंक में गिरवी रखे गए प्लाट में निर्मित भवन का एक हिस्सा बैंक की अनुमति के बिना धोखे से बेचकर घपला किया। मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर (ईओडब्ल्यू) ने बैंक के साथ धोखाधड़ी करने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है । जानकारी के मुताबिक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ

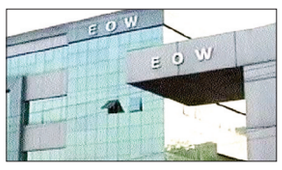

मे रामेश्वर दयाल शर्मा, क्षेत्रीय प्रबंधक, केनरा बैंक जबलपुर के द्वारा शिकायत की गयी कि इसरार खान पिता स्व. अब्दुल गफफार खान, प्रोपराइटर जी. के. मेडीकोज निवासी मेन रोड तिलक वार्ड बड़ी ओमती घण्टाघर नया मोहल्ला जय प्रकाश नारायण वार्ड के द्वारा केनरा बैंक, शाखा खोवा मण्डी, जबलपुर में अपना प्लाट नंबर 254/7 क्षेत्रफल 1350 वर्गफुट भरतीपुर का गिरवी रखकर कुल 89.22 लाख रूपये का लोन विभिन्न दिनांकों में लिया था। इस दौरान उसके द्वारा गिरवी रखे गये प्लाट का एक हिस्सा 560 वर्गफुट बैंक की अनुमति के बिना धोखे से बेचकर अवैध लाभ प्राप्त किया है जिससे बैंक को आर्थिक क्षति कारित हुई है।

स्वच्छता से सुधरेगा स्वास्थ्य के साथ शिक्षा का भी स्तर

एचडीएफसी बैंक की पहल से चमारवाह, सिकोसी और देवरी के स्कूलों को मिली आधुनिक शौचालय सुविधा

नारायणगंज। ग्रामीण अंचलों में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से एचडीएफसी बैंक परिवर्तन द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत, अर्पण सेवा संस्थान के क्रियान्वयन में नारायणगंज के ग्राम चमारवाह, सिकोसी और देवरी ग्राम स्थित शासकीय विद्यालयों में शौचालयों के नवीनीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

बताया गया कि परियोजना के तहत इन तीनों विद्यालयों में लंबे समय से पुराने और अनुपयोगी पड़े शौचालयों का न केवल जीर्णोद्धार किया गया, बल्कि उन्हें आधुनिक और बाल, अनुकूल सुविधाओं से लैस किया गया है। अब छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक शौचालय की सुविधा प्राप्त होगी, जो पहले एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी।

रोगों से बचाव और बढ़ेगी उपस्थिति-संस्थान के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य गंदगी और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों से उपजने वाले रोगों के खतरे को कम करना है। बेहतर स्वच्छता सुविधाओं के उपलब्ध होने से विशेष रूप से छात्राओं की विद्यालय में उपस्थिति बढ़ेगी और एक सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण होगा। इस कार्य में विद्यालय प्रबंधन समिति और स्थानीय ग्रामीणों का भी भरपूर सहयोग रहा।

स्थायी सुधार की दिशा में बढ़ते कदम-यह गतिविधि एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा के प्रति उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नवीनीकरण के बाद अब इन विद्यालयों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, जो ग्रामीण विकास की दिशा में एक स्थायी और दूरगामी कदम सिद्ध होगा।

लंबे समय से फरार दो स्थायी वारंटी गिरफ्तार

वारंटियों को न्यायालय में किया पेश

निवास। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और फरार अपराधियों की धरपकड़ को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना निवास की टीम ने सक्रियता दिखाते हुए शनिवार को दो स्थायी वारंटियों को उनके छिपने के ठिकानों से गिरफ्तार किया है।

थाना निवास पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस की एक विशेष टीम लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों की पतासाजी में जुटी थी। इसी क्रम में सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को उनके निवास स्थान से विधिवत गिरफ्तार किया।

पकड़े गए वारंटियों में फूल सिंह उर्फ तीरथ 36 वर्ष, पिता गुलाब सिंह उईके, निवासी ग्राम भानपुर थाना टिकरिया, प्रहलाद बुढ़ापे 50 वर्ष, पिता अनोखेलाल बुढ़ापे, निवासी ग्राम भैंसवाही पौड़ी थाना बीजाडांडी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया और सभी आवश्यक वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों में भय पैदा करने के उद्देश्य से फरार वारंटियों के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। प्रशासन नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराधी की जानकारी तत्काल नजदीकी थाने में दें।

4 लाख के 10 बिजली खंभे चोरी

नवभारत, जबलपुर। शातिर चोरों ने सरकारी परियोजना को निशाना बनाते हुएअधारताल में मैदान में रखे चार लाख रुपए के बिजली के 10 खंभे पार कर दिए। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार भानतलैया हनुमानताल निवासी मुईस खान (40) अग्रवाल पावर लिमिटेड भोपाल में साइट इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। मुईस वर्तमान में केंद्र सरकार की आरडीएसएस परियोजना के तहत अधारताल क्षेत्र में काम देख रहे हैं। परियोजना के लिए लाए गए 15 मीटर ऊंचे कुल 27 बिजली के खंभे मिल्क स्कीम के पास निर्माणाधीन स्कूल के सामने वाले मैदान में रखे हुए थे। शुक्रवार को जब इंजीनियर ने साइट पर खंभों की गिनती की, तो वहां से 10 खंभे गायब मिले। चोरी गए इन 10 खंभों की कुल कीमत लगभग 4 लाख रुपये बताई जा रही है। आशंका जाहिर की जा रही है कि इतनी भारी-भरकम सामग्री को मैदान से ले जाने के लिए चोरों ने किसी बड़े वाहन और क्रेन का इस्तेमाल किया होगा।

मोहगांव में 13 दिनों से जारी है अनिश्चितकालीन धरना

प्रशासनिक बेरुखी से फूटा आंदोलनकारियों का गुस्सा

मोहगांव। जनपद पंचायत मोहगांव के बड़ चौराहा पर अपनी मांगों को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन और तेज होता जा रहा है। जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक-08 के सदस्य बोध सिंह मरकाम के नेतृत्व में जारी यह अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन 13वें दिन में प्रवेश कर गया है। कड़ाके की ठंड और खुले आसमान के नीचे बैठे आंदोलनकारियों में प्रशासन के रवैये को लेकर भारी नाराजगी व्याप्त है।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जनपद सदस्य बोध सिंह मरकाम ने बताया कि क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं और विकास कार्यों की मांगों को लेकर वे पिछले 13 दिनों से धरने पर बैठे हैं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इतने दिन बीत जाने के बाद भी अब तक कोई भी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी धरना स्थल पर उनकी सुध लेने नहीं पहुँचा है। प्रशासन की यह चुप्पी लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है और आम जनता की समस्याओं के प्रति उनकी उदासीनता को दर्शाती है।

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा संघर्ष

प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी जायज मांगों का निराकरण नहीं किया जाता और ठोस लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक धरना स्थल खाली नहीं किया जाएगा। आंदोलन के कारण मुख्य मार्ग पर गहमागहमी बनी हुई है और स्थानीय ग्रामीणों का भी इस प्रदर्शन को भरपूर समर्थन मिल रहा है।

होली बाद हटाये जाएंगे मदनमहल पहाड़ी से अतिक्रमण

नवभारत, जबलपुर। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के हाल ही में दिये गये निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा होली के त्यौहार के बाद मदन महल की पहाड़ी से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की जायेगी। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने यह जानकारी देते हुये बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने मदनमहल पहाड़ी के अतिक्रमणों हटाने की कार्यवाही के विरोध में शांति बाई शर्मा एवं अन्य द्वारा दायर की गई याचिका पर 24 फरवरी को सुनवाई करते हुये राज्य शासन को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मदन महल पहाड़ी को अतिक्रमण मुक्त करने के आदेश का शीघ्र अनुपालन करने के निर्देश दिये हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने की गई कार्यवाही का मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के साथ-साथ पालन प्रतिवेदन समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय में भी प्रस्तुत करने के निर्देश शासन को दिये हैं ।

गोंदिया-जबलपुर रेल मार्ग दोहरीकरण को केंद्र की मंजूरी

इटारसी-मानिकपुर के बीच 200 करोड़ से होगी फेंसिंग, 130 की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

नैनपुर। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा गोंदिया-नैनपुर-जबलपुर रेल मार्ग के दोहरीकरण की स्वीकृति दिया जाना महाकौशल और देश के रेल नेटवर्क के लिए एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा दी गई इस मंजूरी से न केवल दक्षिण भारत और उत्तर भारत के बीच की दूरी कम होगी, बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक विकास का नया द्वार भी खोलेगा। रेल मंत्री ने अपने प्रेजेंटेशन में स्पष्ट किया कि रीवा-कटनी की ओर से आकर चांदा फोर्ट और सिकंदराबाद जाने वाली ट्रेनों के लिए अब एक वैकल्पिक कॉरिडोर तैयार हो गया है।

बताया गया कि वर्तमान मार्ग इटारसी-नागपुर होकर की तुलना में यह मार्ग 200 से 250 किलोमीटर छोटा है। वहीं यात्रा समय में लगभग 4 घंटे की सीधी बचत होगी। दूरी कम होने से रेलवे के परिचालन व्यय में करोड़ों की बचत होगी और आय में वृद्धि होगी।

दोहरीकरण के साथ तिहरीकरण की मांग

विशेषज्ञों और क्षेत्रीय जानकारों का मानना है कि यह कार्य दो-तीन दशक के विलंब से हो रहा है। वर्तमान में देश के कई व्यस्त मार्गों पर चौथी लाइन बिछाई जा रही है, ऐसे में गोंदिया-जबलपुर मार्ग की

महत्ता को देखते हुए इसे तिहरीकरण के साथ ही विकसित किया जाना चाहिए। जानकारों का तर्क है कि अभी दोहरीकरण के दौरान फेंसिंग वॉल पर जो करोड़ों रुपए खर्च होंगे, भविष्य में तीसरी लाइन बिछाते समय उन्हें तोड़ना पड़ सकता है। अत: भविष्य की दूरगामी सोच के साथ काम होना आवश्यक है।

511 किलोमीटर में बनेगा सिक्योर एरिया

रेलवे सुरक्षा और गति बढ़ाने के लिए एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। जबलपुर रेल मंडल के इटारसी से मानिकपुर के बीच 511 किलोमीटर के हिस्से को फेंसिंग के जरिए कवर किया जाएगा। इस परियोजना पर लगभग 200 करोड़ रुपए खर्च होंगे। फेंसिंग के बाद ट्रेनें 130 किमी/घंटा की प्रस्तावित गति आसानी से प्राप्त कर सकेंगी। इस सिक्योर एरिया के विकसित होने से मवेशियों और वन्यप्राणियों के ट्रैक पर आने से होने वाली दुर्घटनाओं, आत्महत्या के मामलों और पथराव की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगेगी।

आधुनिकीकरण होगा मील का पत्थर साबित

यूरोपीय देशों की तर्ज पर ट्रैक को सुरक्षित करने से मानवीय दखल कम होगा, हालांकि रेल अधिकारियों का मानना है कि फेंसिंग के कारण ट्रैक पार करने को लेकर स्थानीय किसानों के साथ टकराव की स्थिति बन सकती है। बावजूद इसके, यह कदम रेलवे के आधुनिकीकरण और सुरक्षित सफर के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

समितियों के खाते में राशि, किसान भुगतान से वंचित

घोषणा के बाद भी करना पड़ रहा लंबा इंतजार

नवभारत, जबलपुर। धान उपार्जन के दौरान घोषित 15 रूपये प्रति क्विंटल प्रासंगिक व्यय की राशि समितियों और संकुल स्तरीय संगठनों के खातों में पहुंचने की जानकारी सामने आई है, लेकिन 50 दिन बाद भी किसानों के खातों में भुगतान नहीं हुआ है। इससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

विदित है कि धान उपार्जन प्रक्रिया समाप्त हुए एक माह से अधिक समय बीत चुका है। उपार्जन अवधि के दौरान किसानों को राहत देने के उद्देश्य से 15 रूपये प्रति क्विंटल प्रासंगिक व्यय देने की घोषणा की गई थी। उस समय इसे बड़ी राहत के रूप में प्रस्तुत किया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका लाभ अब तक किसानों को नहीं मिल पाया है। कई किसानों ने भुगतान की उम्मीद में अपने स्तर पर संभावित राशि का आकलन भी कर लिया था, लेकिन अब तक एक भी रुपया खाते में न आने से उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। जब तक किसानों के खातों में राशि नहीं पहुंचती है, 15 रूपये प्रति क्विंटल का यह वादा अधूरा ही माना जाएगा।

समितियों के खातों में करोड़ों जमा-सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उपार्जन कार्य में लगी सहकारी समितियों और संकुल स्तरीय संगठनों के खातों में करोड़ों रुपये जमा हो चुके हैं।

1000 की सीमा ने बढ़ाया असंतोष

15 रूपये प्रति क्विंटल भुगतान के साथ अधिकतम 1000 की सीमा तय की गई थी। इसका मतलब है कि 67 क्विंटल से अधिक धान बेचने वाले किसानों को अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा। इस सीमा की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, जिससे कई किसानों को बाद में इसकी जानकारी मिली। इससे उनमें असंतोष और बढ़ गया है। इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से अब तक कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।